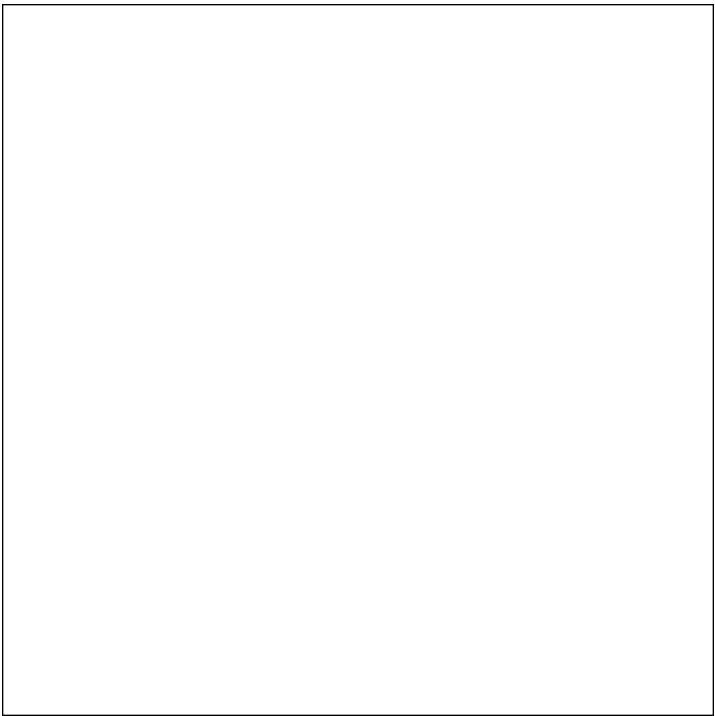




(uten bilder)

Lindiwe Matchikiza ✎
Meghan Judge 🗣️
Nandani 🗣️
hindi 🗣️
niva 3 🗣️



तथा तथा

Barnebøker for Norge

barnebok.no

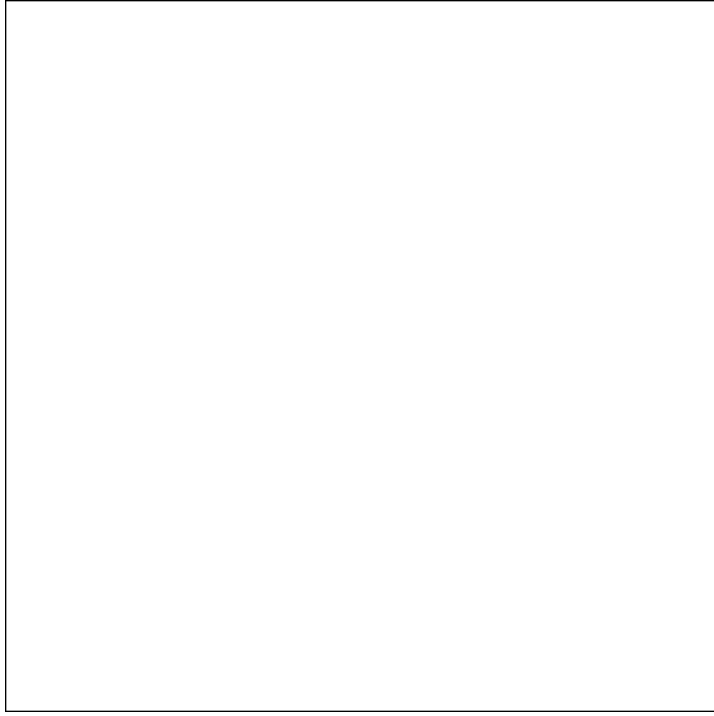
तथा तथा

Skrevet av: Lindiwe Matchikiza
Illustrert av: Meghan Judge
Oversatt av: Nandani

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barnebok.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

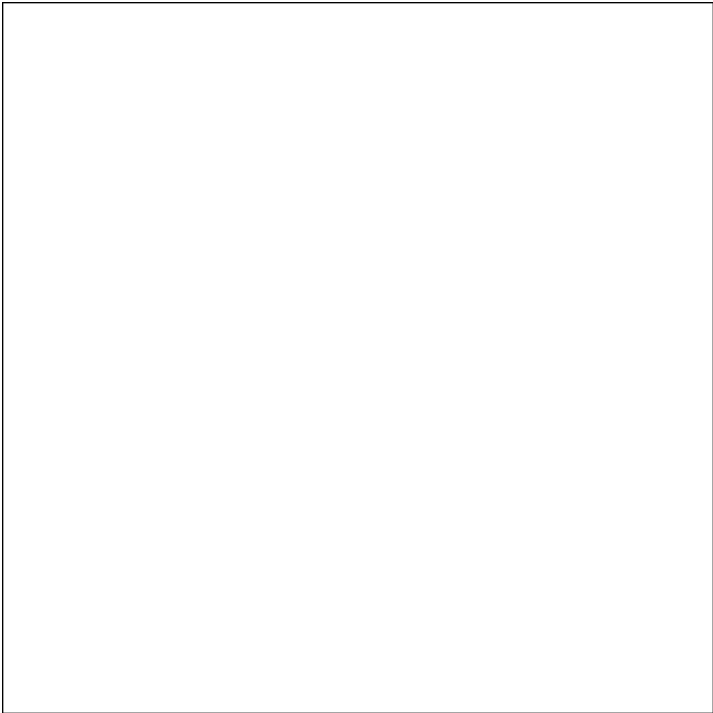
Dette verket er lisensiert under en Creative Commons Navngivelse 4.0 Internasjonal Lisens. <https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/deed.no>





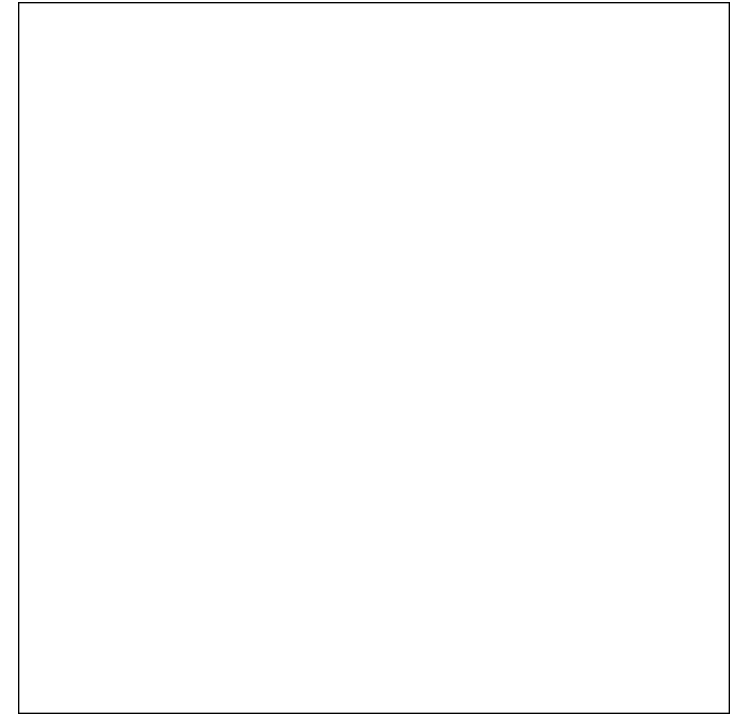
वह छोटी सी लड़की थी जिसने पहले उसे देखा अजीब सा
आकर कुछ दूर पर था।

। ਫਿਰ ਅੰਤਿਮ ਪੁਸਤਕਾਂ ਸੰਪਾਦਨ
ਯੋਗੇ ਪੁਸਤਕਾਂ ਅਤੇ 'ਮਨੁੱਖੀ ਸੇਵਾ' ਪੁਸਤਕ

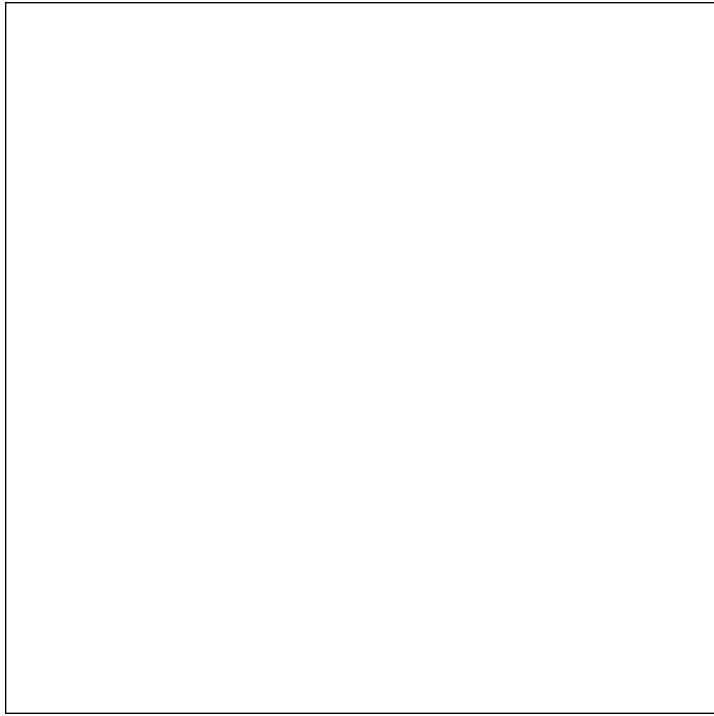




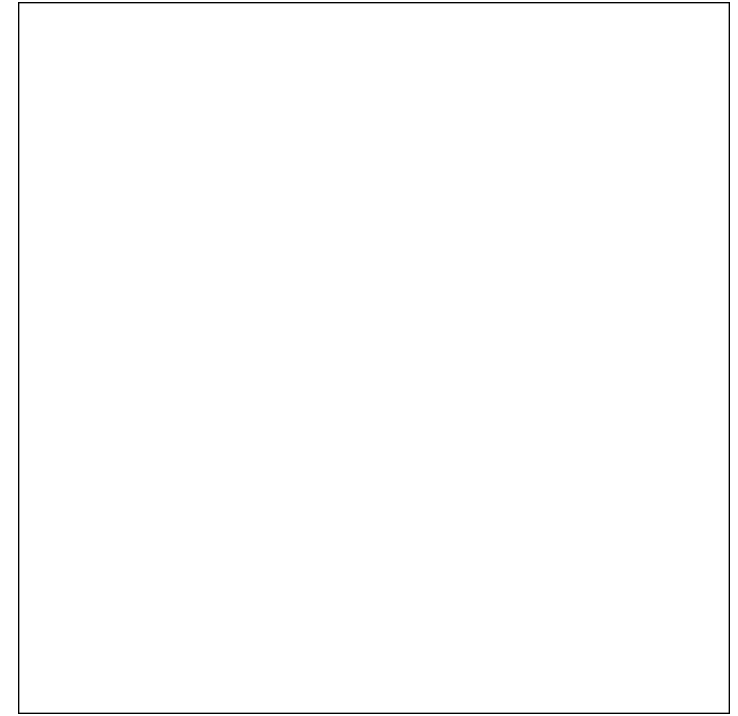
शर्मिली पर बहादुर छोटी लड़की उस औरत के पास गई।
“हमें इसे अपने साथ रखना चाहिए,” छोटी लड़की के साथ
के लोगों ने फैसला किया। “हम इसे और इसके बच्चे को
सुरक्षित रखेंगे। “



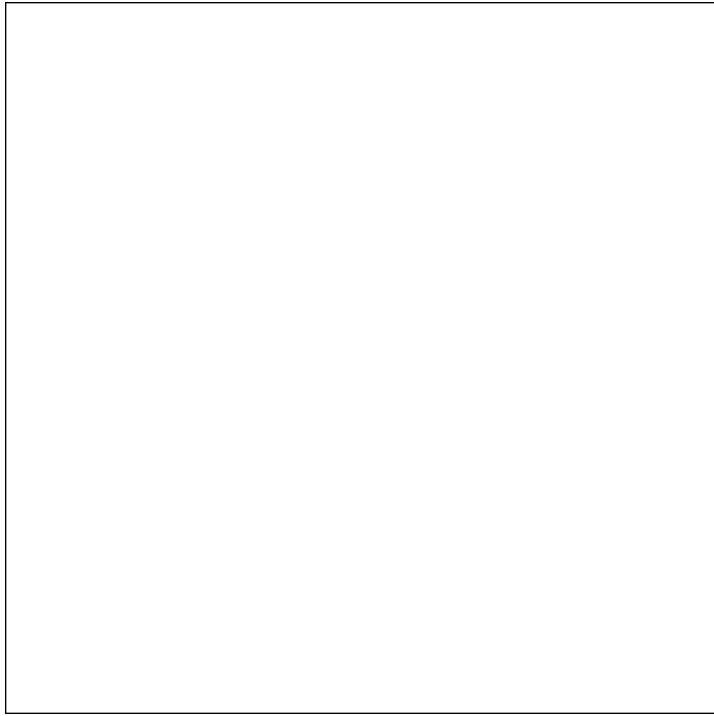
गधा बच्चा ओर उसकी माँ ने साथ मिलकर रहना शुरू
किया और साथ के साथ जीने के कई तरीके ढूँढ लिए।
धीरे-धीरे, उनके चारों ओर, और परिवारों ने रहना शुरू कर
दिया।



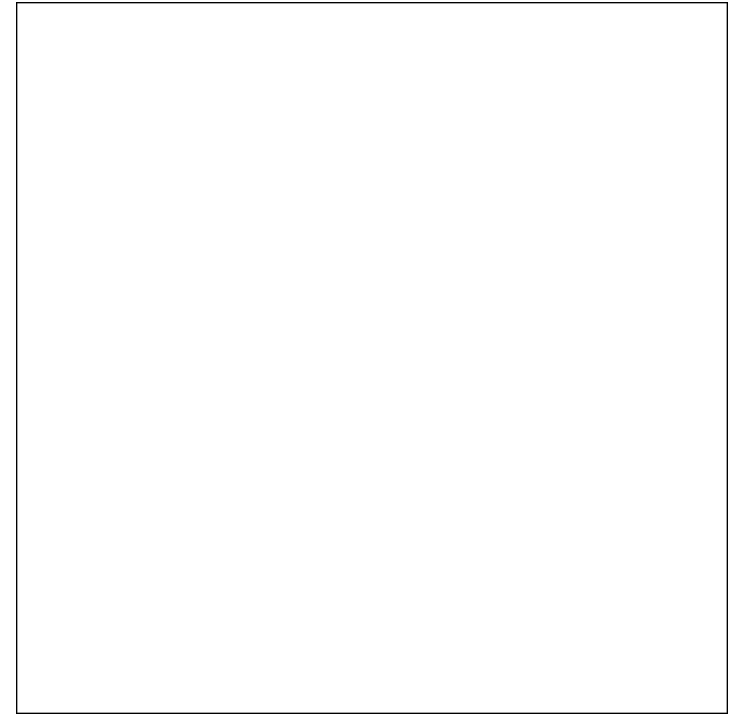
जब उन्होंने बच्चे को देखा, सभी लोग सदमें में चले गए।
“गधा?!”



गधे को अब पता था कि उसे अब क्या करना है।

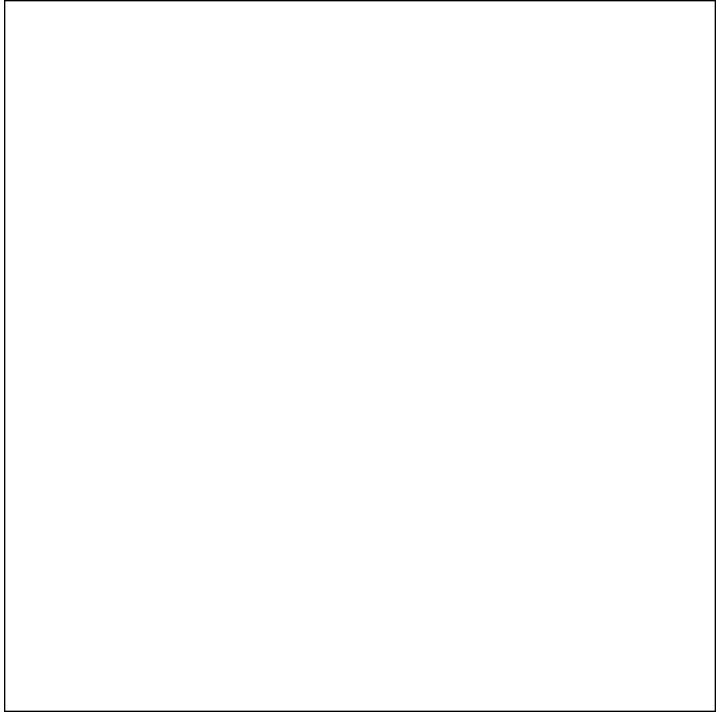


औरत ने फिर से अपने आपको अकेला पाया। वह परेशान थी कि वह अपने अनचाहे बच्चे के साथ क्या करे। वह परेशान थी कि अपने साथ क्या करे।

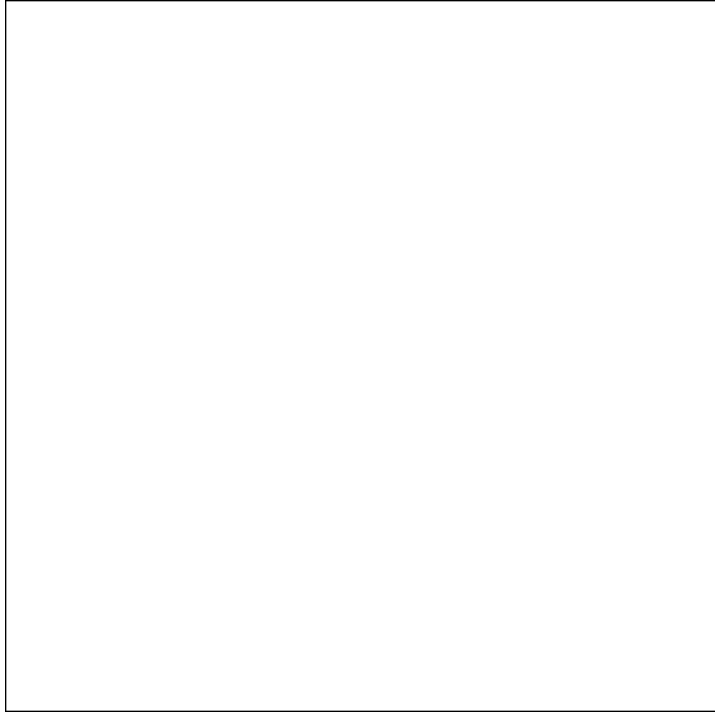


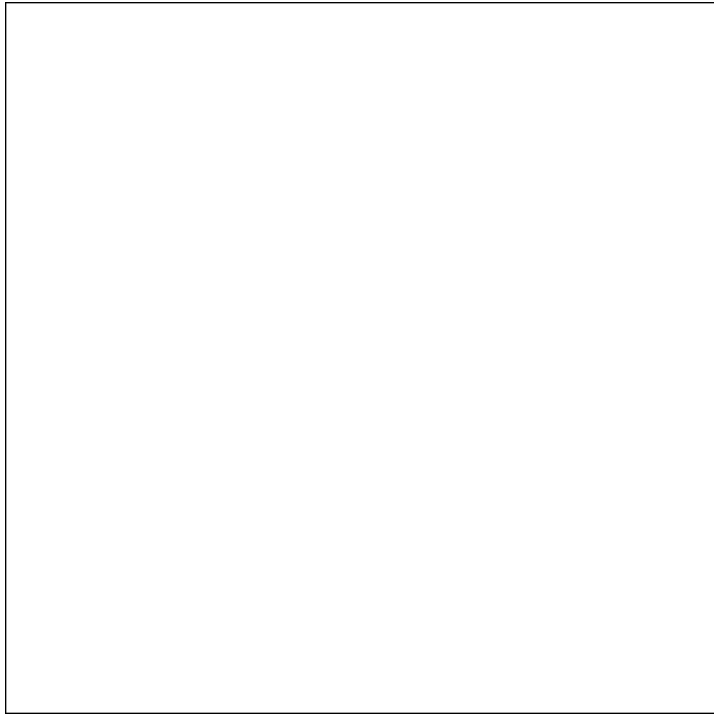
ऊँचाई पर बदलो के बीच में वे सो गए। गधे ने सपना देखा उसकी माँ बीमार है और उसे बुला रही है। और जब वह उठा...

अंत में उसने मान लिया कि वह उसका बच्चा है और वह उसकी माँ।

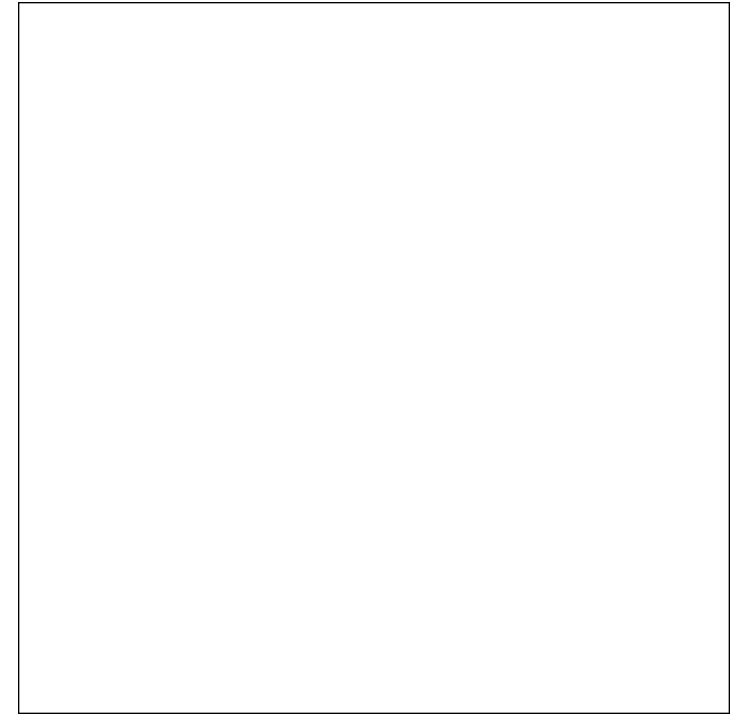


एक सुबह, बड़े आदमी ने गधे को पहाड़ी की चोटी पर ले जाने को कहा।



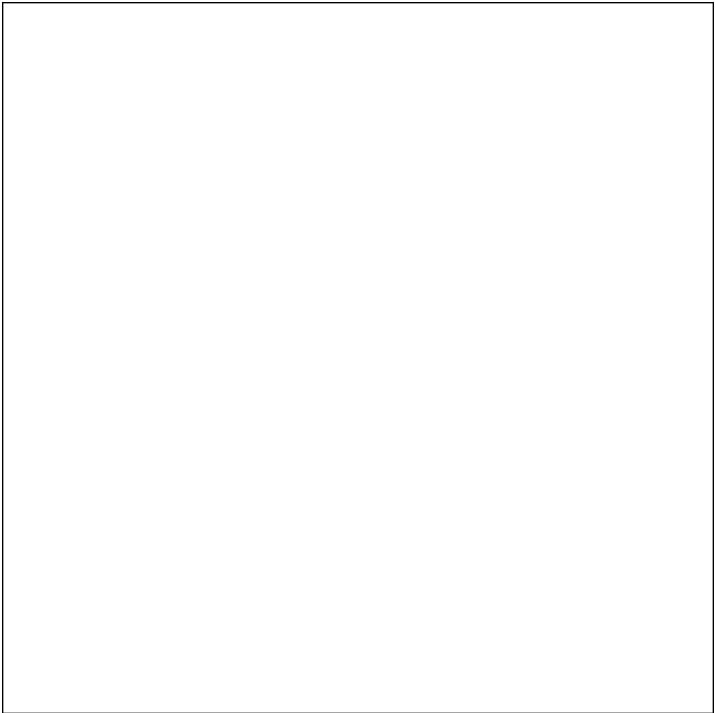


यदि बच्चा उसी आकर में रहता, छोटा ही, शायद चीजें अलग होती। पर गधा बच्चा इतना बड़ा हो गया कि माँ की पीठ पर नहीं आ पाता। उसने बहुत कोशिश की लेकिन वह आदमियों की तरह व्यवहार नहीं कर पाया। उसकी माँ ने बहुत कोशिश किया लेकिन निराशा मिली। कुछ समय वह उसे वे काम करने देती जो जानवरों के लिए बने हैं।

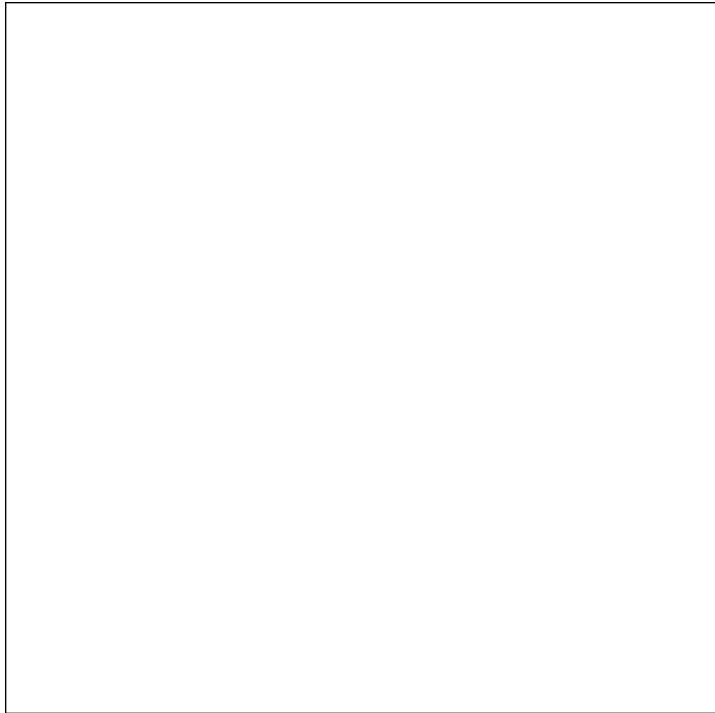


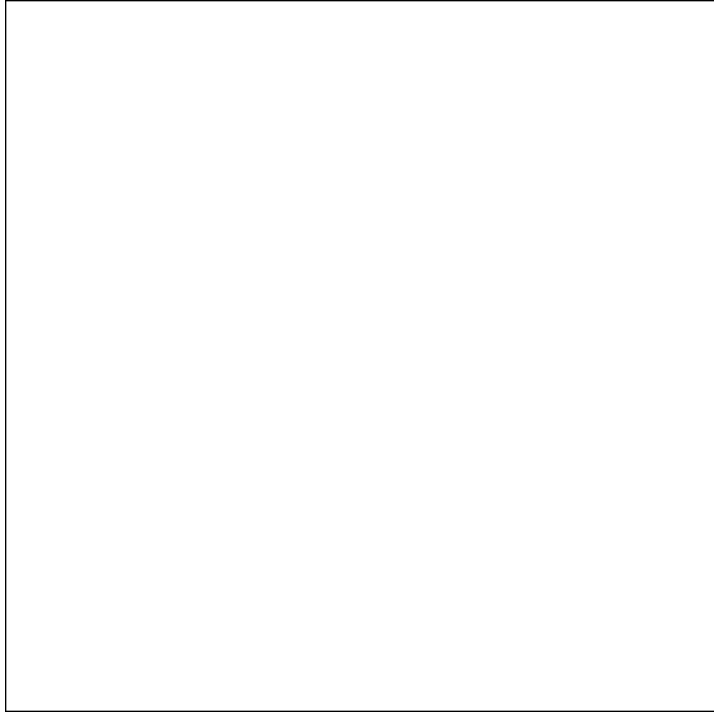
गधा बूढ़े आदमी के साथ रहने चला गया, उसने उसे जीने के कई तरीके सिखाए। गधे ने बूढ़े आदमी को सुना और उसे सीखा। उन्होंने एक दूसरे को मदद किया, और मज़ाक भी उड़ाया।

गद्य के अंदर टिप्पणी और गिस्से का भाव भर गया। वह यह
 नहीं कर सकता था और वह नहीं कर सकता था। वह इसके
 तरह नहीं कर सकता था और उसकी तरह भी नहीं। वह
 बहुत गिस्से वाला बन गया, एक दिन, उसने अपनी माँ को
 जमीन पर धकेल दिया।

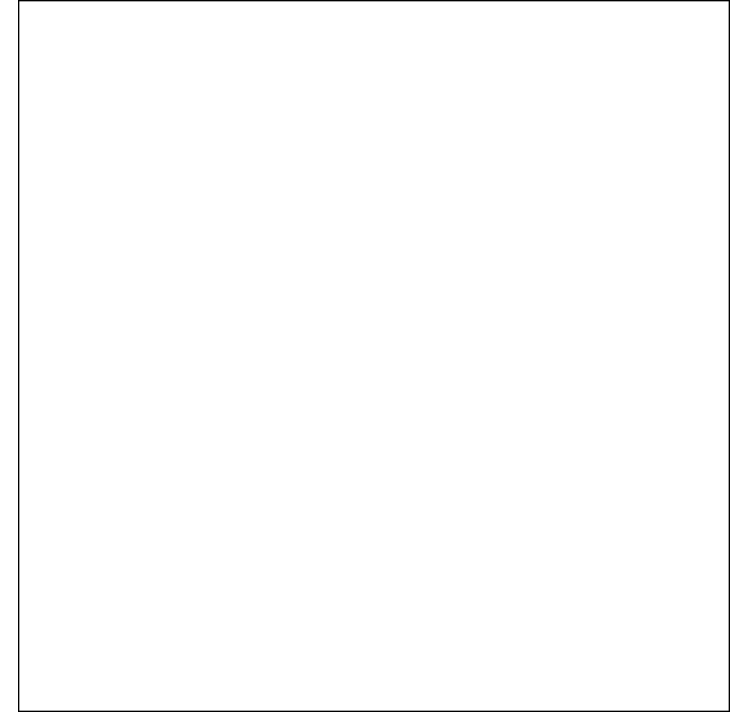


गद्य जब उठा उसने पाया कि बंदा आदमी उसे घेरे रहा है।
 उसने बड़े आदमी की आंखों में देखा जहाँ उसे उमीद की
 तिकिया नजर आई।





गधा शर्मिंदगी से भर गया। वह दौड़ने लगा वहाँ से दूर जितना तेज दौड़ सकता था।



जब उसने दौड़ना बन्द किया रात हो चुकी थी और वह खो गया था। “ठेचू-ठेचु?” वह अंधेरे में फुसफुसाया। “ठेचु-ठेचु?” उस ने फिर से रेंका। वह अकेला था। उसने अपने आपको सिकोड़ा सख्त गेंद की तरह, उसे दुख भरी गहरी नींद आ गई।